Table of Contents

1. [illegible]
2. [illegible]
3. [illegible]
4. [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible] - [illegible]
- [illegible] - [illegible]

[illegible]

[illegible] 1880 [illegible]

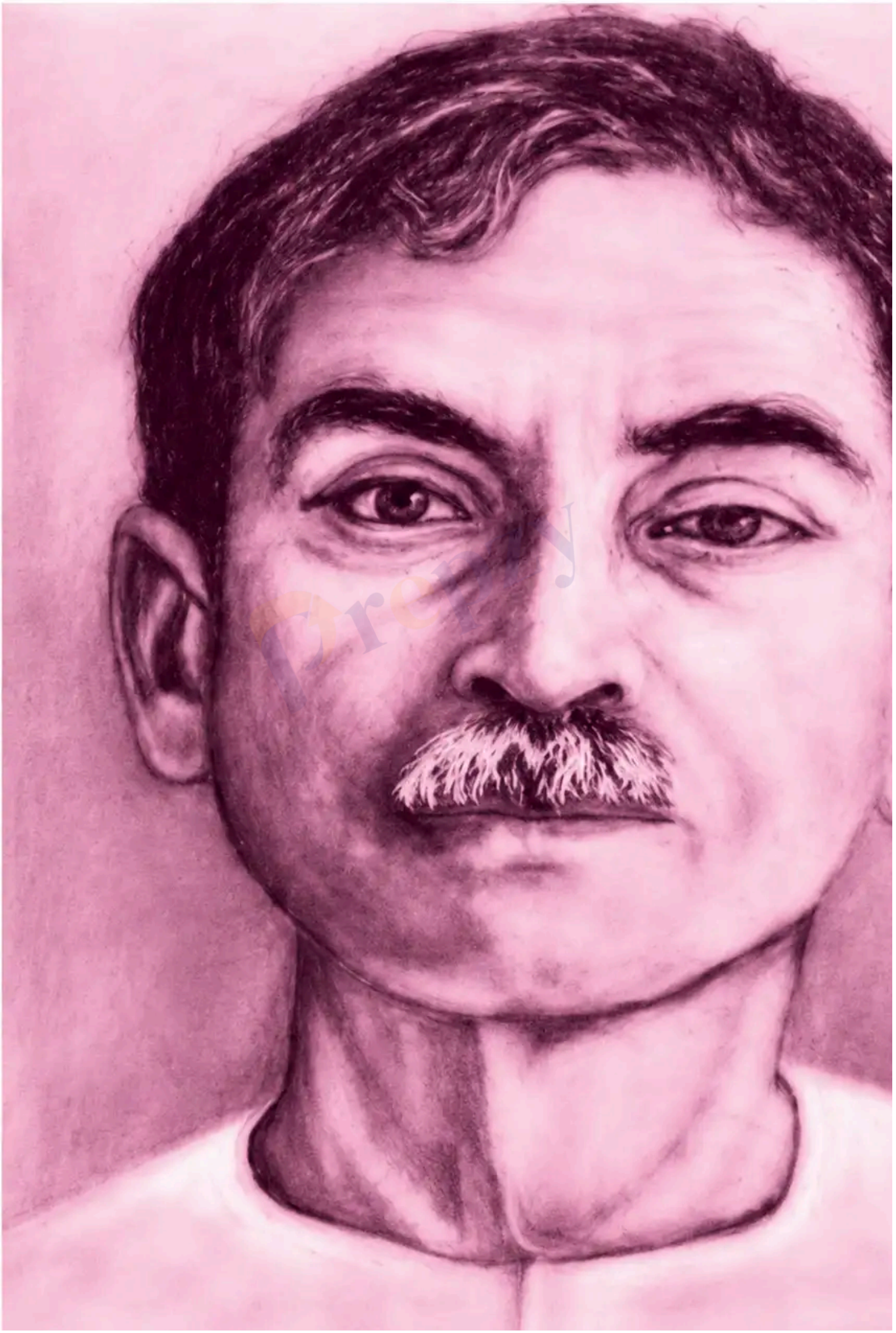

मुख्य बिंदु

- मूल नाम : धनपत रा □।
- जन्म : सन् 1880, लमही गाँव (उत्तर प्रदेश)।
- राष्ट्री □ आंदोलन में सक्रि □ भागीदारी।
- प्रमुख रचनाएँ : सेवासदन , गोदान , पंच परमेश्वर , आदि।
- हिंदुस्तानी भाषा का प्रयोग।

पाठ्य प्रमाण

प्रेमचंद ने कहानी और उपन्यास की विधा को □थार्थवादी कला के रूप में प्रतिष्ठित किया। उनकी भाषा में हिंदुस्तानी का प्रभाव स्पष्ट □

प्रेमचंद की रचनात्मक यात्रा

प्रेमचंद का आरंभिक कथा -साहित् □ कल्पना और रुमानि □त से भरा था , परन्तु बाद में उन्होंने सामाजिक जीवन को □थार्थवादी दृष्टिकोण से प्
आदर्शोन्मुख □थार्थवाद से आलोचनात्मक □थार्थवाद तक विकसित हुई।

Prepzy

मुख्य बिंदु

- आरंभिक रचनाएँ कल्पनात्मक।
- □थार्थवादी कला के अग्रदूत।
- आदर्शोन्मुख □थार्थवाद की संज्ञा।
- गोदान और पूस की रात जैसी कठोर वास्तविकता प्रस्तुत करने वाली रचनाएँ।

पाठ्य प्रमाण

प्रेमचंद की कहानी "पंच परमेश्वर " और उपन्यास "सेवासदन " में सामाजिक जीवन की □थार्थवादी छवि मिलती है।

हल किए गए उदाहरण

प्रेमचंद की कहानी "पंच परमेश्वर " में सामाजिक बुराइयों का चित्रण और समाधान प्रस्तुत किया गया है।

नमक का दारोगा कहानी विश्लेषण

"नमक का दारोगा " प्रेमचंद की एक प्रसिद्ध कहानी है जो धन और धर्म के संघर्ष को दर्शाती है। कहानी में पंडित अलोपीदीन और मुंशी वंशीधर
चित्रण किया गया है।

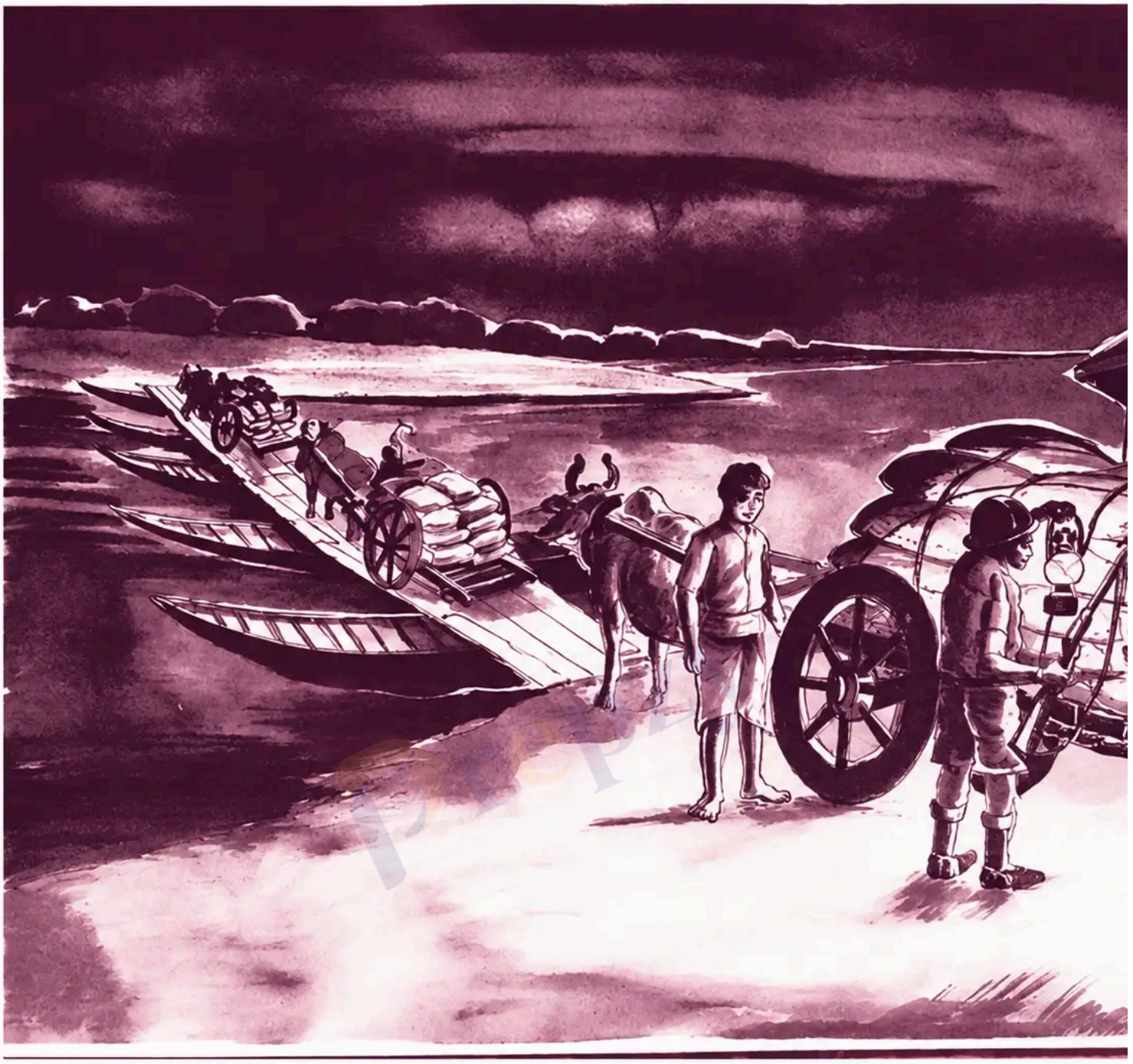

मुख्य बिंदु

- धन और धर्म का संघर्ष।
- प्रशासनिक भ्रष्टाचार की आलोचना।
- ईमानदार कर्मयोगी मुंशी वंशीधर का चरित्र।
- कहानी का आदर्शवादी अंत।

व्याख्या

कहानी में नमक विभाग के दारोगा पद के लिए भ्रष्टाचार व्याप्त है। पंडित अलोपीदीन , जो धनवान और प्रभावशाली हैं , भ्रष्टाचार के माध् □म मुंशी वंशीधर ईमानदार और धर्मनिष्ठ हैं , जो भ्रष्टाचार के खिलाफ़ डटकर खड़े हैं। कहानी में धन और धर्म के बीच संघर्ष को दर्शाया गया

पाठ्य प्रमाण

कहानी के अंतिम प्रसंग में वंशीधर की प्रार्थना : "परमात्मा से □ही प्रार्थना है कि वह आपको सदैव वही नदी के किनारेवाला बेमुरौवत , उद्

[redacted]

[redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted], [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted]